भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.08.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4025 का उत्तर

उच्च गति वाली रेलगाड़ियों का विकास

4025. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि जापान भारत को अपनी अगली पीढ़ी की ई10 शृंखला की शिंकानसेन रेलगाड़ियां प्रदान करेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेलवे एक उच्च गति वाली रेलगाड़ी विकसित कर रहा है जिसके 280 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या उक्त रेलगाड़ी वर्तमान में बीईएमएल (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) और इंटेग्रेटेड कोच फैक्टरी द्वारा विकसित की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निष्पादनाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाने की योजना है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 उपयोगिताएँ स्थानांतरित कर दी गई हैं। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित हुई। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	**प्रगति**
पीयर	**452 कि.मी.**

गर्डर	356 कि.मी.
ट्रैक बैड	209 कि.मी.
ओएचई मास्ट	190 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग और रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। सूरत, बिलिमोरा और भरूच पर भी रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	सब-स्ट्रक्चर का कार्य पूरा कर लिया गया है, सुपरस्ट्रक्चर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। मोहर नदी पर रेलपथ का कार्य पूरा कर लिया गया है और ओएचई कार्य शुरू कर दिया गया है। वात्रक नदी पर रेलपथ का कार्य प्रगति पर है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है। पीयर कार्य

		और गर्डर लांचिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 24 में से 6 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	13 में से 09 पीयर कैप का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। रेलपथ और विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	सब-स्ट्रक्चर का कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	17 पाइल कैप और 15 पियर (58 में से) पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी ब्रांच (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए अस्थाई पहुंच पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्री सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

सूरत-वापी खंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और 86% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

जापान सरकार ने मुंबई-अमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर पर ई-10 शिंकानसेन रेलगाड़ियों की शुरुआत का प्रस्ताव दिया है, जिसे जापानी शिंकानसेन प्रौद्योगिकी के साथ विकसित किया जा रहा है। बहरहाल, ई-10 शिंकानसेन रेलगाड़ियां वर्तमान में जापान में विकास के अंतर्गत हैं और तकनीकी विशिष्टियों और कार्यान्वयन समय-सारणी सहित प्रस्ताव से संबंधित ब्यौरे दोनों पक्षों के बीच सहमत रूपरेखा के अनुरूप तैयार किए जाएंगे।

इसके अलावा, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप, आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए भारतीय रेल हाई-स्पीड रेल प्रणालियों और घटकों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा दे रहा है। सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) मेसर्स भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के सहयोग से 280 कि.मी. प्रति घंटे की डिजाइन गति सहित हाई-स्पीड ट्रेन सेटों को डिजाइन और विनिर्माण कर रही है।

****